इ-व्हिकल को दे रहे बढ़ावा

- शोभनदेव का उद्योग जगत से ई-वेहिकल में निवेश का आह्वान

कोलकाता. द बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक वर्चुअल एनर्जी कॉन्क्लेव में राज्य के बिजली मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि आज भी 90 फीसदी ईंधन के लिए हम फॉसिल फ्यूल पर निर्भर हैं. ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत तलाशने की जरूरत है. पश्चिम बंगाल में सौर ऊर्जा की क्षमता एक वर्ष में बढ़ कर 30 मेगावाट हो गयी है. इसे 300 मेगावाट तक ले जाने का लक्ष्य है. राज्य की हाइड्रो-इलेक्ट्रिक परियोजनाएं उपयोगी हो सकती हैं. मंत्री के अनुसार राज्य सरकार ने जन परिवहन के लिए ई-वेहिकल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है. ऐसा देश में पहली बार हो रहा है. राज्यभर में इन वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट बनाये जायेंगे. औद्योगिक प्लांट में प्रदूषण घटाने की दिशा में भी काम चल रहा है. राज्य के सभी निगमों में ई-वेहिकल के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है. उन्होंने उद्योग जगत से ई-वेहिकल और ई-चार्जिंग स्टेशनों में निवेश करने का आह्वान किया.

मौके पर हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन तथा राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवाशीष सेन ने बताया कि इंडिया ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की ओर से कोलकाता को ग्रीन सिटी प्लैटिनम रेटिंग मिली है. राज्य सरकार न सिर्फ ई-चार्जिंग स्टेशनों की व्यवस्था कर रही है, बल्कि इनके रख-रखाव के लिए कार्यशालाएं भी लगा रही है. ई-वेहिकल के लिए पार्किंग की दो फीसदी जगह भी आरक्षित है.